12 क्रिया तथा क्रिया की व्याकरणिक कोटि–काल

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- क्रिया शब्दों को पहचानना।
- क्रिया के भेद जानना।
- काल के भेदों को समझाना।
- क्रिया शब्दों के प्रयोग को समझाना।
- काल को समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- आप विद्यालय में क्या-क्या करते हैं?
- बच्चे पार्क में क्या करते हैं?
- अभी हम किस विषय के बारे में पढ़ रहे हैं?
- माता जी रसोईघर में क्या करती हैं?
- कल रात को आप कितने बजे सोए थे?
- रविवार कितने दिन/दिनों के बाद आएगा?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- पाठ में दिए गए चित्रों का अवलोकन करवाएँ और रंगीन शब्दों पर ध्यान दिलवाएँ।
- बताना–
  - काम करने का बोध करवाने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
  - क्रिया का मूल अंश धातु कहलाता है।
  - क्रिया के दो भेद हैं–अकर्मक तथा सकर्मक।
  - सकर्मक क्रिया के दो उपभेद होते हैं– एककर्मक तथा द्विकर्मक।
  - जो क्रिया कर्म के साथ हो–सकर्मक क्रिया तथा जो क्रिया कर्म के बिना हो–अकर्मक क्रिया कहलाती है।
  - क्रिया के समय का बोध 'काल' कहलाता है।
  - काल के तीन भेद हैं–(क) भूत काल (ख) वर्तमान काल (ग) भविष्यत काल।
  - है–वर्तमान काल, था/थी/थे–भूत काल व गा/गी/गे–भविष्यत काल की क्रियाएँ हैं।
  - क्रिया अपना रूप बदलती है–देखा, देखते हैं, देखते थे, देखेंगे।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।